

EXTRAORDINARY

भाग **П—ए एड** 3—उप-**ए एड** (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 4 1 6

नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1980/भाव 15, 1902

No.4161

NEW DELHI, SATURDAY, SFPTEMBER 6, 1980/BHADRA 15,1902

इस भाग में भिम्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

भावेश

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1980

का० का० 755(अ).—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के भूतपर्व उद्योग भीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भीद्योगिक विकास विभाग) के भादेश सं० का० द्या॰ 481(प्र)/18कक/प्राई० डी० प्रार० ए०/75, तारीख 8 मिनम्बर, 1975 (जिसे इसके परचातु उक्त श्रादेश कहा गया है) मैसर्स सेन रेले लिमिटेड, कलकत्ता, नामक भौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस भादेश में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सिनम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

भौर, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त भीषोगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी मम्मिलित है, एक वर्ष की ग्रीर श्रवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

भ्रत: श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भ्रौर विनियमन) श्रधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निवेश देती है कि उक्त श्रादेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की ग्रौर ग्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा॰ सं॰ 2(21)/75-सी॰यु॰ एस॰]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 6th September, 1980

S.O. 755(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 481(E)/18AA/IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Sen-Raleigh Limited, Calcuttander the control of the industrial undertaking known as Messrs Sen-Raleigh Limited, Calcuttander the control of the industrial undertaking known by the body of persons referred to in had been taken over by the body of persona referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(21)/75-cus.]

का० आ० 756(अ).--केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भतपूर्व उद्योग भीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग) के मादेश सं० का० भा० 485(भ)/18कक/आई० खी० भार० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त भादेण कहा गया है) मैससे

670 GI/80.

(1385)

एनसिलरी इण्डस्ट्रीज (कैंक्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता, नामक श्रीधोगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस आदेश में बिनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त प्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह नारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की भौर भवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

धनः भ्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 7 सिनम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सिम्मिलित है, एक वर्ष की श्रीर भ्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा॰ सं॰ 2(27)/75-सी॰यू॰एस॰]

S.O. 756(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 485(E)/18AA/IDRA/75, dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Cranks) Private Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980.

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(27)/75-CUS.]

का० आ० 757(अ).— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भृतपूर्व उद्योग भौर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भौद्योगिक विकास निभाग) के भ्रादेश सं० का० भ० 482(भ्र)/18कक/श्राई० डी० भ्रार० ए०/75, नारोख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैससं एनसिलरी इण्डस्ट्रीज (लग्स) प्राह्वेट निमिटेड, कलकत्ता, नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध, उस भादेश में विनिधिष्ट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह नारोख भी सम्मिनत है, तक की श्रवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

श्रीर, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त त्रिनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीला भी सम्मिलित है, एक वर्ष की श्रीर श्रवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

श्रातः श्राव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भीर विनियमन) श्रधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश देती है कि उक्त श्रादेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की भीर श्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा॰ सं॰ 2(28)/75-सी॰यू॰एस॰]

S.O. 757(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 482(E)/18AA/IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Lugs) Private

Limited, Culcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(28)/75-CUS.]

का० आ० 758(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंद्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 484(अ)/18 कक/आई० डी० आर० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स इनसिलरी इण्डस्ट्रीज (फॉर्जिंग्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस आवेश में विनिर्विष्ट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह नारीख भी सम्मिलित है, तक की श्रवधि के लिए ग्रहेण किया गया था;

श्रीर, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हिन में यह सभीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सिनम्बर 1981, जिसमें यह नारीख भी सम्मिनित है, एक वर्ष की श्रीर भवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

श्रनः अस, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रौर विनियमन) श्रिक्ष-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 7 गितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलिय है, एक वर्ष की श्रौर श्रविध के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा० सं० 2(29)/75-सी०यू०एस०]

S.O. 758(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 484(E)/18AA/IDRA/75, dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of tive years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 18AA of the Industrics (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(29)/75-CUS.]

का० आ० 759(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के भादेश सं० का० भा० 483(अ)/18कक/आई० की० भार० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पण्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैस्सं सेन एण्ड पंडित इण्डम्ट्रीज लिभिटेड, कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस आदेश में विनिद्धिट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, तक की श्रवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

कीर, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय हारा उक्त भीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की भौर अविध के लिए प्रभावी बना रहे;

श्रनः श्रव, केन्द्रीय संस्कार, उद्योग (विकास भीर विनियमन) श्रिक्षिन, 1951 (1951 का 65) की घारा 18 कक की उपधारा (2) ब्रारा प्रदत्त कार्र्क्सों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त भादेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलन है, एक वर्ष की श्रीर श्रविध के लिए प्रभाषी रहेगा।

[फा॰ सं॰ 2(30)/75-सी॰यू॰एस॰] बी॰ राय, संयुक्त सचिव

S.O. 759(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 483 (E)/18AA/

IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Sen & Pandit Industries Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(30)/75-CUS.] B. ROY, Jt. Secy.

					i
				•	5
			•		
		•			